कक्षा **-9** दिनांक**-22/07/21**

भारतीय मरुस्थल

1- अरावली पहाड़ी के पश्चिमी किनारे पर थार का मरुस्थल स्थित है|
2- इस क्षेत्र में प्रतिवर्ष 150 मिलीमीटर से भी कम वर्षा होती है|
3- इस शुष्क जलवायु वाले क्षेत्र में वनस्पति बहुत कम है| वर्षा ऋतु में ही कुछ नदियां दिखती हैं और उसके बाद वे बालू में ही विलीन हो जाती हैं|
4- इस क्षेत्र की सबसे बड़ी नदी का नाम लूनी है|
5- बरकान (अर्धचंद्राकार बालू का टीला) का विस्तार बहुत अधिक क्षेत्र पर होता है, लेकिन लंबवत टीले भारत-पाकिस्तान सीमा के समीप प्रमुखता से पाए जाते हैं|
6- जैसलमेर में आप बरकान के समूह देख सकते हैं|

तटीय मैदान**-**

1- प्रायद्वीपीय पठार के किनारों संकीर्ण तटीय पटट्टीयों का विस्तार है|
2- यह पश्चिम में अरब सागर से लेकर पूर्व में बंगाल की खाड़ी तक विस्तृत है|
3- पश्चिमी तट पश्चिमी घाट तथा अरब सागर के बीच स्थित एक संकीर्ण मैदान है| इस मैदान के तीन भाग हैं|
4- तट के उत्तरी भाग को " कोंकण" (मुंबई तथा गोवा), मध्य भाग को "कन्नड़" मैदान एवं दक्षिणी भाग को "मालाबार तट" कहा जाता है|
5- बंगाल की खाड़ी के साथ विस्तृत मैदान चौड़ा एवं समतल है|
6- उत्तरी भाग में इसे "उत्तरी सरकार" कहा जाता है| जबकि दक्षिणी भाग "कोरोमंडल तट" के नाम से जाना जाता है|
7- बड़ी नदियां, जैसे- महानदी, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी इस तट पर विशाल डेल्टा का निर्माण करती हैं|
8- चिल्का झील पूर्वी तट पर स्थित एक महत्वपूर्ण लक्षण है|
9- चिल्का झील भारत में खारे पानी की सबसे बड़ी झील है| यह उड़ीसा में महानदी डेल्टा के दक्षिण में स्थित है|